लौकिक साई बाबा - प्रतिलेख ०७.०१.२०१४

मॉस घाटी में

सादर प्रेम और आदर भाव के साथ हम लौकिक साईं बाबा का आह्वान करते हैं |

“ यह मैं हूँ, साई बाबा ... लौकिक साई बाबा जैसा कि आप अब मुझे बुलाते हैं, क्योंकि मैं दूसरी दुनिया में चला गया हूँ, लेकिन बहुत दूर नहीं गया हूँ|

मैं इस दुनिया से अत्यधिक प्रेम करता हूँ; और मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि जब भी आप मेरा आह्वान करेंगे, मैं वहाँ प्रकट हो जाऊँगा| परन्तु यह सच है, मैंने इसका प्रमाण देने हेतु आपके पास सुगन्ध भेजी थी - क्योंकि आपने मांगी थी तो मैंने आपके पास भेज दिया|

असल में, वैलेरी ने मंदिर की घंटी इतने ऊचें स्वर में मांगी थी जिस से उनके पोते और नाती विस्मयाभिभूत हो जाएँ - और वाकई में मैंने उसे बहुत ही ऊचें स्वर में बजा दिया! (हँसते हुए) यह तो मैं एक छोटी सी लीला दिखा रहा था जो सटीक बैठी|

मैं सिर्फ पुष्टि कर रहा हूँ कि मैं यहाँ हूँ , और यह विचार मैंने आपके मष्तिष्क में पहले से ही डाल दिया है; लेकिन हाँ, आप यहाँ अकेले नहीं हैं; यह सब असली है, जैसे मैं असली हूँ ... ... मैं वाकई में असली हूँ ! हालाँकि (इस समय) पृथ्वी पर मेरे पास एक भौतिक शरीर नहीं है, किन्तु मेरी उपस्थिति यहाँ अचल है | मैं इच्छानुसार प्रत्यक्ष हो सकता हूँ लेकिन एक छिछोरे मज़ाक की तरह ऐसा करूँगा नहीं, बल्कि ऐसा किसी विशेष अवसर पर आवश्यकता अनुसार करना चाहूंगा|

और इसलिए, आज मैं यहाँ विश्व भर के लोगों से यह कहने आया हूँ - अभी भी काफी समस्याएं प्रतीत हो रही हैं, विशेषतः मौसम संबंधित | मौसम में सुधार अवश्य होगा | कुछ वर्षों पश्चात लोगों के लिए यह कम दर्दनाक हो जाएगा - यही नहीं, धरती पर सब कुछ संतुलित हो जाएगा|

और फिर सभी को, उन्हें प्रभावित करने वाली ऊर्जा का बोध हो जाएगा और यह भी समझ पाएंगे कि वे कौन हैं | और वे स्वेच्छा से शांति और सद्भाव के साथ किसी भी मतभेद का समाधान खोजने में सक्षम हो जाएंगे|

मेरा विश्वास करें, मेरे बच्चों, परिस्थितियों में लगातार सुधार हो रहा है हालाँकि इस समय बहुत स्पष्ट नहीं दिख रहा है | यह वर्ष बहुत विशेष है, सार्वभौमिक प्रेम और दिव्य प्रकाश का विशेष वर्ष है, जो आपके सूर्य से आता है | आपके सूर्य की ऊर्जा में अभी अदला बदली हुई है; किंतु इसे मैं फिहाल के लिए छोड़ना चाहुंगा|

आज वास्तव में, मेरे पास आपको देने के लिए कोई अन्य संदेश नहीं है, बस यही भरोसा दिला सकता हूँ कि जो मेरे साथ, कई सारी दूसरी दुनिया के लोग काम करते हैं, लोगों की मदद करेने के लिए तत्पर हैं | उनसे सिर्फ पूछने भर की आवश्यकता है| उन्हें पूछना भी चाहिए क्योंकि हम सर्वव्यापी कानून, जो कहता है कि सभी को अपनी इच्छानुसार विकसत होने की अनुमति होनी चाहिए, के साथ हस्तक्षेप नहीं

कर सकते हैं |

तथापि, यदि आपको सलाह की जरूरत है, वह आपको दे दिया जाएगा, तो कृपया पूछिये| आपको सिर्फ इतना ही करना है| और हम या कोई और अपनी खुशी से आपकी सहायता के लिए आ जाएंगे - और यह धरती पर होने वाली हर चीज़ पर लागू होती है|

आप धन्य हैं, मेरे बच्चों, पृथ्वी ग्रह एक खूबसूरत जगह की ओर अग्रसर है| और अब इसमें बहुत समय नहीं लगेगा - हालांकि मैं समझता हूँ – कि पहले भी हमने आपसे कहा है "बहुत लंबा समय नहीं लगेगा", परन्तु इस धरती पर कुछ अधिक लंबा समय प्रतीत होता है| मैं आपको आश्वासन दे सकता हूँ कि आप के सोच से जल्दी हो जाएगा|

और अब मैं इन पत्रों को ले जाना चाहता हूँ जो लोगों ने मुझे भेजे हैं| मैं उनका आदर-सम्मान करता हूँ| और मैं यह सब पत्रे हमेशा पढ़ता हूँ; उन सभी लोगों को आशीर्वाद भेजता हूँ जिन्होंने मुझे पत्र लिखे हैं, वे मेरे विचारों में रहते हैं क्योंकि जैसे ही वे मुझे याद करते हैं, मैं उनके समक्ष पहुँच जाता हूँ| आश्वस्त रहें कि यही आपको करना है |

धन्य महसूस करें, मेरे बच्चों, धन्य महसूस करें|

और धन्यवाद, मैं आपको धन्यवाद देता हूं, मैं आपको धन्यवाद देता हूं

परमेश्वर आपको आशीर्वाद दें|| "